दिनांक 13.05.2019

स्वच्छ भारत अभियान स्वच्छ एवं सुदर भिलाई

भिलाईनगर/नगर निगम भिलाई द्वारा जल संरक्षण एवं संचयन की दिशा में किये जा रहे प्रयास सराहनीय है विशेषकर तालाबों में दुरषित जल एवं उसके साथ कचरे को समाहित होने से रोकने के लिए बड़े नाला एवं नालियों में जाली लगाकर पानी को शुद्ध कर तालाबों में भेजने का जो प्रयास है वह प्रशंसनीय योग्य है। वर्षा के जल को वाटर हार्वेस्टिंग के माध्यम से भूगर्भ तक पहुंचाना हर नागारिक की जिम्मेदारी है जिसे बताने के लिए इस तरह के कार्यशाला का आयोजन आवश्यक है। जिलाधीश अंकित आनंद ने एसएनजी स्कूल सेक्टर- 4 के सभागार में निगम द्वारा आयोजित वाटर हार्वेस्टिंग एवं कचरा के निष्पादन कार्यशाला में उक्त बातें कही। उन्होने कहा कि आने वाली पीढ़ी के लिए हमें संयुक्त प्रयास करके भूगर्भ के जल स्तर को बढ़ाना होगा ताकि पानी की समस्या को कुछ हद तक रोका जा सके। शहर में बढ़ रहे कचरे की समस्या से निपटने का सबसे सशक्त और सरल माध्यम नागरिक अपने घर से निकलने वाले कचरे को घर में ही पृथक्कीकरण करके गीले कचरे का जैविक खाद के रुप में परिवर्तित कर उसे अपने उद्यानों में उपयोग करें। आयुक्त एस 0के0 सुंदरानी ने निगम द्वारा वाटर हार्वेस्टिंग की दिशा में किये जा रहे कार्यो की जानकारी देते हुए बताया कि लोगों को जागृत करने के लिए विभिन्न स्तर पर कार्यशाला का आयोजन लगातार किया जा रहा है निगम द्वारा अनुमति प्राप्त मकानों में से 1800 मकान जिनमें वाटर हार्वेस्टिंग नहीं बनें हैं वहां बनाने के लिए उन्हे नोटिस दिया गया है निगम के सभी शासकीय भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग का कार्य द्रुत गति से जारी है। सभा हाल में रखे कम्पोस्ट बिन के बारे में बताया कि यह सस्ता और सुलभ कम्पोस्ट बिन है जिसका उपयोग शहर के एक बड़े होटल में किया जा रहा है होटल से निकलने वाले गीले कचरे को इस बिन में डालकर खाद बनाकर उसका उपयोग किया जा रहा है।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में आयुक्त एस 0के0 सुंदरानी ने कलेक्टर श्री आनंद को बादाम का पेड़ भेंटकर स्वागत किया पश्चात् श्रीमती संध्या श्रीवास्तव ने जल की महत्वता को बताते हुए अपनी कविता का पाठ किया। कार्यशाला में मधूर चितलांग्या ने वाटर हार्वेस्टिंग की वैज्ञानिक पद्धति के बारे में सभी को बताया। जोन आयुक्त एस0पी0 साहू ने चन्द्रा मौर्या अण्डरब्रिज पर किये जा रहे वाटर हार्वेस्टिंग की जानकारी दी, स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेन्द्र मिश्रा ने कचरे से खाद बनाये जाने की विधि के बारे में बताया। कार्यशाला को अधीक्षण अभियंता सत्येन्द्र सिंह ने भी संबोधित किया। आभार प्रदर्शन अधीक्षण अभियंता आर 0के0 साहू ने किया। कार्यक्रम का संचालन अजय शुक्ला ने किया।

कार्यक्रम में अमित भट्टाचार्य, पवन केशवानी, रेलवे, बीएसपी, एनएचपीसीएल के अधिकारी, बिल्डर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी , सभी जोन के आयुक्त , उपायुक्त, प्रशासकीय अधिकारी , स्वास्थ्य अमला, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता , एसएनजी स्कूल के पदाधिकारी एवं समाजसेवी संस्था के पदाधिकारीगण सैकड़ो की संख्या में उपस्थित थे।

जनसम्पर्क अधिकारी

''जल है तो कल है'' ''जल ही जीवन है''

आज पानी बचाये
हो जाये..
An initiat
MUNICIPA
, BHILAI
Save water
SNGDS
SNG VB
By Artiste Ku.
mayee
कम्पोस्ट पिट
ngetra